**प्रश्न 6. माछ शीर्षक कथाक सारांश लिखू ।**

**उतर -** एहि कथाक माध्यमसँ राजकमलजी दू-संस्कृतिक विचारधाराक वर्णन आ सामंजस्यक प्रयास कैल अछि । संगहि सम्पन्नता आ अभावक प्रभाव कोन रूप पड़ैत छैक । एक मैथिली संस्कृति आ दोसर दक्षिण भारतीयकेँ सश्कृति आ व्यवहार , दैनन्दिनीमे की अन्तर छैक मेल छैक त' जातिक मुदा अन्तर कतेक छै ।

गदाधर आ कन्हैया जी मैथिल ब्राह्मण थिकाह । दोसर डॉ0 के0 के0 नामबूद्रीक परिवार । डॉ0 साहेब केरल केँ थिकाह । पतनामे नौकरी करैत छथि । मुदा

प्राइभेट प्राँक्टीस न्हि चलैत छन्हि । हिनक तीन कन्या छन्हि , सभ कुमारिये । प्रो0 गदाधर झा अंग्रेजीक ओआ प्रो0 कन्हैया झा अर्थशास्त्रक अध्यापक छथि । दुनू सहपाठी सेहो छथि आ वर्तमानमे संगे रहैत छथि । संयोगसँ अठवें मे पढैत छलाह तखने गदाधर जीक विवाह भ' गेलन्हि ।

गदाधर जी मोने मोन विचार करय लगलाह कन्हैया जी मधुबालासँ विवाह करबा लेल तैयार होथि त' ओ जयबालाकेँ बरमाला पहिरा देथिन । डाक्टर दम्पति केँ कोनो विरोध नहि होयतनि ओ सभ केरलक ब्राह्मण आ हम सभ मैथिल ब्राह्मण एकबेर पुनः शंकराचार्य आ मण्डन मिश्रक मिलन होयत ।